कामयाबी | शहर के 2 होनहार खिलाड़ी अब पहनेंगे भारतीय टीम की जर्सी, फटे जूतों और टूटी स्टिक से तय किया इंटरनेशनल हॉकी तक का सफर

मां का साया बचपन में छिना, पिता का साथ छूटा लेकिन नहीं टूटा हौंसला

नवभारत, जबलपुर। यह कहानी है शहर के दो ऐसे युवा खिलाड़ियों की, जिन्होंने अभावों से लड़ते हुए अपने सपनों को सच कर दिखाया। कभी फटे जूतों में मैदान पर उतरना पड़ा तो कभी हॉकी स्टिक टूट जाने पर नई स्टिक खरीदने के लिए घर में पैसे नहीं होते थे। लेकिन संघर्षों के बीच भी उनके हौसले नहीं टूटे। नजीता है कि आज 16 वर्षीय सिद्धार्थ बेन और 17 वर्षीय आयुष रजक भोपाल में आयोजित भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज में शहर का नाम रोशन कर रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों ने महज 5 से 7 साल पहले हॉकी खेलना शुरू किया था और अब पहली बार इंटरनेशनल स्तर पर भारतीय टीम का हिस्सा बने हैं। वे 2 साल से मध्य प्रदेश भोपाल एकेडमी में रहकर ही हॉकी का प्रशिक्षण ले रहे हैं और वहीं रहकर पढ़ाई भी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 सीरीज में अब तक चार मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिनमें भारत ने एक मैच जीता, एक हारा और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। सीरीज का फाइनल मुकाबला अभी बाकी है।

पिता के निधन के बाद मां बनी ताकत

मोदीवाड़ा सदर निवासी आयुष रजक ने छह वर्ष पहले स्कूल से हॉकी खेलना शुरू किया था। धीरे-धीरे उनका रुझान खेल की ओर बढ़ता गया और शिक्षकों ने भी उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया। आयुष ने नवभारत को बतया कि वे सदर से पैदल रानीताल स्टेडियम अभ्यास के लिए जाया करते थे। उनके पिता प्लंबर का काम करते थे और आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी।

आलम ये था कि 'मैं कई बार फटे जूतों और क्रैक स्टिक से हॉकी खेला हूं। पिताजी हमेशा कहते थे कि बेटा आगे बढ़ते रहो, चिंता मत करो।' करीब आठ माह पहले उनके पिता का निधन हो गया था । इस घटना से आयुष पूरी तरह टूट गए थे, लेकिन उनकी मां ने फिर उन्हें संभाल लिया। आयुष भारतीय टीम में अभी गोलकीपर की भूमिका निभा रहे हैं। वे अब तक दो नेशनल प्रतियोगिताएं खेल चुके हैं और यह उनका पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट है। दोनों खिलाड़ी अपनी सफलता का श्रेय कोच अकबर और शकील को देते हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में उनका मार्गदर्शन कर उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।

तीन साल की उम्र में मां को खोया

घमापुर निवासी सिद्धार्थ बेन ने नवभारत को बताया कि उन्होंने लगभग पांच वर्ष पहले हॉकी खेलना शुरू किया था। अब तक वे पांच से अधिक स्टेट और 5 नेशनल प्रतियोगिताएं खेल चुके हैं। यह उनका पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट है। सिद्धार्थ के अनुसार जब वे मात्र तीन वर्ष के थे, तभी उनकी मां का निधन हो गया था। पिता प्राइवेट कंपनी में गार्ड की नौकरी करते थे। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि हर जरूरत आसानी से पूरी हो सके। चर्चा के दौरान उन्होंने भावुक होकर ये भी बताया कि 'कई बार खेलते समय हॉकी स्टिक टूट जाती थी, लेकिन नई स्टिक खरीदने के पैसे नहीं होते थे। कई बार जूते फट जाते थे, तब भी पिता कुछ नहीं कर पाते थे। लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी।' सिद्धार्थ ने कहा कि उनके संघर्ष को देखकर स्पोर्ट्स टीचर अकबर खान ने उन्हें लगातार सहयोग दिया।

कछपुरा अब कहलाएगा जंक्शन

▸ नवभारत की मुहिम लाई रंग

जबलपुर, नवभारत। वर्षों से चली आ रही नवभारत की मुहिम आखिरकार रंग लेकर आई। रेलवे द्वारा अधोसंरचना विकास और नई रेल लाइनों, कॉर्ड लाइनों तथा बाईपास लाइनों के चालू होने के फलस्वरूप यात्रियों एवं रेल परिचालन की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशनों के नामों को संशोधित करने का निर्णय लिया गया है। ज्ञातव्य हो कि 17 मार्च को नवभारत ने खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

नव भारत खबर का असर

इसी क्रम में सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति एवं भारतीय रेलवे सम्मेलन, नई दिल्ली के परामर्शानुसार पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर के कछपुरा समित अन्य रेलवे स्टेशनों के नामों में संशोधन कर उन्हें अब आधिकारिक तौर पर जंक्शन स्टेशन के रूप में अधिसूचित कर दिया गया है।

केवल नाम में जोड़ा गया है 'जंक्शन' शब्द-यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन सभी स्टेशनों के पुराने अल्फाबेटिकल (अक्षर) और न्यूमेरिकल (संख्यात्मक) कोड में कोई बदलाव नहीं किया गया है, वे पहले की तरह ही रहेंगे। केवल नाम में 'जंक्शन' शब्द जोड़ा गया है। बता दें कि नवभारत द्वारा लंबे समय से कछपुरा रेलवे स्टेशन को जंक्शन के रूप में विकसित करने की आवाज उठाई जा रही थी जिसे अब जाकर पहचान मिली है। मंगलवार को कछपुरा के साथ जंक्शन बनने वाले स्टेशन में कटनी साउथ अब कटनी साउथ जंक्शन, कटनी मुड़वारा, कैमा अब कैमा जंक्शन, सगमा अब सगमा जंक्शन बाँसापहाड़ अब बाँसापहाड़ जंक्शन, बीना मल्खेड़ी अब बीना मल्खेड़ी जंक्शन, कटंगी खुर्द अब कटंगी खुर्द जंक्शन जैसे स्टेशन शामिल है।

विरोध : दवा विक्रेताओं ने बंद रखीं दुकानें, भटकते दिखे जरूरतमंद

प्रशासन की व्यवस्था को दी चुनौती

नवभारत, जबलपुर। ऑल इंडिया केमिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय आव्हान पर बुधवार को ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में जबलपुर कैमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले शहर के दवा विक्रेताओं ने अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं। इस दौरान दवा व्यवसायियों की हड़ताल से जरूरत मंद परेशान नजर बाए तो वहीं कई मरीज और उनके परिजन यहां वहां दवाई लेने भटकते भी दिखे।

मौके में अवसर खोजने के लिए पहचाने जाने वाले दलालों ने ऐसे कई परिजनों का फायदा उठाया और उन्हें मंहगी दवाईयां खरीदने पर मजबूर किया। उधर दवाइयां खरीदने की मरीजों की मजबूरी का निजी अस्पतालों ने भी जमकर फायदा उठाया। आलम ये था कि वहां की दवा दुकानों से दवाएं महंगे दामों में बिकती रहीं। वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन के द्वारा की गई व्यवस्थाएं दलालों के सामने फीकी नजर आईं। जानकारी के अनुसार शहर के करीब ढाई हजार दवा दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद करने का दावा किया है।

पैदल मार्च निकालकर जताया विरोध

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर करीब 12 बजे दवा व्यापारियों का बड़ा हुजूम सिविक सेंटर मार्केट में एकत्रित हुआ जहां से पैदल मार्च किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में दवा व्यापारियों के हाथों में ऑनलाइन व्यापार बंद करने जैसे मुद्दों की तख्तियां नजर आईं। सभी सिविक सेंटर, तीन पत्ती, मालवीय चौक, करमचंद चौक, जयंती कॉम्प्लेक्स से जेडीए कार्यालय मार्ग, चौपाटी मार्ग से पुन: सिविक सेंटर मार्केट पहुंचे। यहां ओमती एसडीएम ने व्यापारियों के बीच पहुंचकर उनका राष्ट्रीय मुद्दे व ई फॉर्मेसी की विसंगतियों से जुड़ा लिखित ज्ञापन लिया। इस अवसर पर जेसीडीए जबलपुर के अध्यक्ष आजाद जैन, रमाकांत रावत, संजय विश्नोई, नवीन कपूर, रमेश कृष्णानी, पूर्व अध्यक्ष सुधीर बठीजा, विशाल जायसवाल, संजय चंद्रेश जैन, मनोज शर्मा सहित बड़ी संख्या में दवा विक्रेताओं की उपस्थिति रही। मेडिकल रिप्रेंटिव्स एसोसिएशन ने भी बंद को समर्थन प्रदान किया था।

हड़ताल मे शामिल जबलपुर कैमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आजाद जैन, डॉ रमाकांत रावत, संजय विश्नोई, नवीन कपूर, रमेश कृष्णानी, विशाल जायसवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार को ऑनलाइन दवा कारोबार का रोक लगानी चाहिए, यदि सरकार ऑनलाइन दवा कारोबार पर रोक नही लगाती तो देश भर के दवा विक्रेता अपनी मांगे मनवाने अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने मजबूर होंगे। जिसका सीधा असर मरीजों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

प्रशासन ने की थी व्यवस्था

दवा वालों की हड़ताल से निपटने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, अमृत फॉर्मेसी तथा अस्पतालों के मेडिकल स्टोर खुले रखने के प्रयास प्रशासन ने किए। जरूरतमंदों को आवश्यक दवाइयां आसानी से मिल सकें, इसके लिए प्रशासन ने समुचित इंतजाम का खाका तैयार किया था। औषधि निरीक्षक देवेंद्र जैन ने बताया की बंद से कुछ जरूरी दवा केंद्रों को मुक्त रखा गया है।

एनएच में ओवरब्रिज गिरने से होने वाली परेशानी का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

▸ पीडब्ल्यूडी के सचिव व डीआरएम सहित एनएचएआई को नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर नेशनल हाईवे-45 में ओवरब्रिज गिरने के बाद शहपुरा की संकरी गलियों से मार्ग को डायवर्ट से हाने वाली परेशानी को उठाया गया है। जस्टिस डीडी बंसल एवं जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने लोक निर्माण विभाग के सचिव, डीआरएम जबलपुर, एनएचएआई के रीजनल ऑफीसर, कलेक्टर जबलपुर, एमपीआरडीसी व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

यह मामला शहपुरा निवासी राजेश सिंह राजपूत की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता आदित्य सिंह राजपूत ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि शहपुरा कस्बे के निवासियों और राष्ट्रीय राजमार्ग-45 (जबलपुर-भोपाल खंड) के हजारों दैनिक उपयोगकर्ता हर दिन कठिनाई झेल रहे हैं। शहपुरा के पास वर्ष 2023 में निर्मित रेलवे ओवरब्रिज के ढह जाने के कारण ऐसा हुआ है। उक्त ओवरब्रिज अगस्त सितंबर 2025 में आंशिक रूप से ढह गया था और 23 फरवरी 2026 को पूरी तरह से गिर गया। अधिकारियों ने भारी फोरलेन राजमार्ग यातायात को शहपुरा कस्बे की संकरी, जर्जर आंतरिक सडक़ों से होकर कृषि मंडी से मोड़ दिया है। इस कारण प्रतिदिन 4 से 8 घंटे तक चलने वाला भीषण यातायात जाम हो जाता है। दलील दी गई कि इसकी जगह पौड़ी रेलवे गेट से गुजरने वाले उपलब्ध व अच्छी स्थिति वाले वैकल्पिक मार्ग को खोलना था। एसडीओं और कलेक्टर द्वारा अनुरोध करने के बावजूद रेलवे अधिकारियों ने पौड़ी रेलवे गेट खोलने से इनकार कर दिया है। वहीं, शहपुरा टोल प्लाजा पर पूरा टोल वसूला जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

गणना पत्रक सहित अन्य दस्तावेज कराओ उपलब्ध

जबलपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने एक अवमानना याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण कर दिया कि सात दिन के भीतर गणना पत्रक सहित दस्तावेज उपलब्ध कराये जाये। अवमानना याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी श्याम मोहन वर्मा ने आरोप लगाया था कि याचिका पर पारित पूर्व निर्देश का समुचित पालन नदारद है। उसे भुगतान तो सही ढंग से किए गए हैं किंतु अपेक्षित दस्तावेज प्रदान करने के निर्देश का परिपालन नहीं किया गया। मामला विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तीन इंक्रीमेंट रोके जाने से संबंधित था।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

▸ पाटन थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना

नवभारत, जबलपुर। पाटन थानांतर्गत नित्य गोपाल मंदिर के पास बीती देर रात ट्रक चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क पर पैदल चल रहे युवक को पीछे से टक्कर मारकर मौत के घाट उतार दिया है। टक्कर मारने के बाद ट्रक क्रमांक यूपी 78 डी टी 0425 कटंगी तरफभाग गया।

हादसे में चौधरी मोहल्ला पाटन निवासी घनश्याम विश्वकर्मा को गंभीर चोटें आईं थीं जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया और आरोपी चालक के खिलाफ अपराध कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इस संबंध में चौधरी मोहल्ला पाटन निवासी राजकुमार विश्वकर्मा ने बताया कि वह फर्नीचर का काम करता है बीती रात वो और उसके बड़े पापा के बेटे घनश्याम विश्वकर्मा पैदल सड़क किनारे होते हुए घर जा रहे थे कि तभी शहपुरा तरफ से आए ट्रक ने घनश्याम को टक्कर मार दी जिस वजह से हादसा घटित हो गया।

ट्रक की टक्कर से पलटा ई-रिक्शा

नवभारत, जबलपुर। कटंगी हिरन नदी पुल के पास बुधवार दोपहर को ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीबी 5848 चालक ने ई रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी और कुछ दूर अपने ट्रक को छोड़ भाग निला है। हादसे में ई रिक्शा में सवार शेख अकील, नजा बेगम, जेवा नाज, चालक मोहम्मद इमरान मंसूरी के शरीर में चोटें आईं हैं। कटंगी पुलिस ने रिपोर्ट पर ट्रक चालक के खिलाफ अपराध कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया के ट्रक की टक्कर इतनी तेज थी कि ई रिक्शा मौके पर पलट गया था।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57